

दैह्य वि. (तत्.) दे. दैहिक

दो वि. (तद्.) एक से एक अधिक पुं. एक और तीन के बीच की संख्या स.क्रि. देना क्रिया का आजार्थक मध्यम पुरुष एकवचन का रूप मुहा. दौ कौड़ी का- तुच्छ बेकार जैसे- दो कौड़ी का आदमी, दो कौड़ी की इज्जत, दो कौड़ी की बात; दो-चार- लगभग दो और चार के आसपास; दो-चार होना- सामना होना; आँखें दो-चार होना- पहली बार नजर मिलना; दो जीभ वाला- दो तरह की बातें करने वाला, दो गला; दो टूक- स्पष्ट और संक्षिप्त; दो दिन का- बहुत कम समय वाला; दो-दो हाथ करना- मुकाबला करना; दो नावों पर सवार होना या चढ़ना- दो भिन्न-भिन्न या परस्पर विरोधी कार्य एक साथ करना।

दोआब/दोआबा पुं. (फा.) दो नदियों के बीच का क्षेत्र, किसी देश/प्रदेश या जिले का वह भाग जो दो नदियों के बीच में पड़ता है।

दो-एक वि. (तद्.+तत्.) दो या एक, संख्या में बहुत कम।

दोगला पुं. (फा.) 1. वर्णसंकर, जिसके माता और पिता दोनों अलग-अलग जातियों के हों 2. जारज, अवैध संतान, विवाह पूर्व संतान 3. दो प्रकार की बातें करने वाला।

दोगाना पुं. (तद्.) संगी. गायन में दो कलाकारों (प्रायः एक पुरुष और एक स्त्री) द्वारा गाया हुआ गाना, युगल गीत।

दोगुना वि. (तद्.) जितना हो उतना ही और, द्विगुण, दो से गुणा किया हुआ, दुगुना।

दोग्धा वि./पुं. (तत्.) 1. दुहने वाला, ग्वाला 2. बछड़ा, वत्स।

दो चार पुं. (तद्.) दे. दो के अंतर्गत मुहा.।

दोज पुं. (तत्.) दे. दूज।

दोज़ख पुं. (फा.) नरक, जहन्नूम।

दो टूक पुं. (देश.) स्पष्ट, साफ-साफ, खरी बात।

दो-तरफा वि. (फा.) 1. जिसकी स्थिति दोनों ओर हो जैसे- इस पृष्ठ पर दो-तरफा छपाई की गई है 2. दोनों ओर से होने वाला जैसे- शत्रु ने दो तरफा हमला बोल दिया 3. जो कभी इधर तो कभी उधर हो जाए जैसे- दोतरफा बातें मत करो।

दोतल्ला वि. (तद्.) दो तलों (मंजिलों) वाला (मकान)।

दोधक वि. (तत्.) दुहने वाला, दोग्धा पुं. छंद. एक विशिष्ट वार्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 11 वर्ण होते हैं तथा उसमें तीन भगण और दो गुरु होते हैं।

दो नंबर का पैसा पुं. (देश.) अवैध तरीके से कमाया गया धन जिसपर आयकर इत्यादि न दिया गया हो। black money

दोना पुं. (तद्.) 1. पत्तों (या आजकल प्लास्टिक) का बना कटोरी-नुमा पात्र 2. खाने की किसी वस्तु से भरा ऐसा पात्र मुहा. दोने चाटना- बाज़ार की चाट-पकौड़ी आदि शौक से खाना।

दोनाली वि. (तद्.) दो नलियों वाली (बंदूक)।

दोनिया/दोनी स्त्री. (तद्.) द्रोणी, छोटा दोना।

दोनों वि. (तद्.) दो में से प्रत्येक को शामिल करके (यह भी और वह भी), उभय मुहा. दोनों ओर से मरना- बचने का कोई रास्ता न होना; दोनो हाथों में लड़ू होना- हानि की संभावना न होना; दोनों हाथों लुटाना- उदारता से बाँटना।

दोपदा/दोपदे वि. (तद्.) द्विपदी का बहुवचन छंद. दो चरणों वाला छंद।

दोपहर स्त्री. (तद्.) दिन के दो पहर बीत जाने का समय, मध्याह्न-काल, दिन के बारह बजे के आसपास का समय, दुपहरी टि. पूरे दिन-रात में आठ पहर या प्रहर माने जाते हैं, इस प्रकार एक पहर लगभग तीन घंटे का होता है।

दोपारी पद्धति स्त्री. (तद्.+तत्.) किसी कार्य को दो पारियों में करने की पद्धति, कार्य के निश्चित घंटे पूरे हो जाने के बाद पुनः उतने ही